आउटकम बजट प्रारूप 2018–19

विभाग का नामः– विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित एस0डी0जी0 8 एवं 9

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2018–19	01.04. 2017 की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व (धनराशि ₹ लाख में)	पूंजीगत					
1	**शोध अनुसंधान एवं विकास** • राज्य स्तरीय विज्ञान कांग्रेस • सेमिनार/संगोष्ठी/अधिवेशन/कार्य शाला • यात्रा अनुदान • समन्वयक इकाईयों की स्थापना तथा उनका सबलीकरण	परिषद द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में शोध एवं विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई कार्यक्रमों को प्रायोजित कर इच्छुक समुहों द्वारा रचनात्मक क्रियाकलापों के लिये मंच प्रदान कराया जाता है।	70	–	**Enabler - Science & Technology** • Social and economic development can come through progress and applications of S&T; • executive management of development and allocations of developmental Plan funds must then involve S&T and hence management of S&T spills over to sectors/ministries for whom S&T is not the core function; and governance of S&T and its infrastructure would therefore be of crucial importance. • A separation between the functions of generation of knowledge and the bundling/adapting of such knowledge's at multiple tiers including at local line departments would	• राज्य स्तरीय विज्ञान कांग्रेस – 01 • सेमिनार/संगोष्ठी/अधिवेशन/कार्य शाला – 40 • यात्रा अनुदान – 15 • समन्वयक इकाईयों की स्थापना तथा उनका सबलीकरण – 13 • शोध एवं विकास परियोजनाएं – 25		परिषद द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में शोध एवं विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों को प्रायोजित करने हुये इच्छुक समूहों को रचनात्मक क्रियाकलापों के लिये मंच उपलब्ध कराता है। इस दिशा में आतिथि तक परिषद द्वारा 232 शोध परियोजनाओं हेतु वित्तीय स्वीकृति दी है जिसमें से 206 पूर्ण हो चुकी हैं एवं शेष गतिमान हैं। वर्तमान तक परिषद द्वारा 11 उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस के आयोजन से 472 युवा वैज्ञानिकों का चयन किया गया तथा शोधार्थियों को अपने शोध पत्रों को अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुतिकरण दिये जाने हेतु	01 वर्ष

					transform significantly the current scenario. The S&T institutes are currently delivering multiple knowledge goods, both tangible and intangible, licensed exclusively or non-exclusively or as simple give-away, they are providing both priced and free advisory/consultancy services, and similar others. **Goal no. 2** - 'End hunger, achieve food security and improved nutrition and promote sustainable agriculture'. **Goal no. 3** - 'Ensure healthy lives and Promote well-being for all at all ages'. **Goal no. 4** - 'Ensure Inclusive and Equitable Quality Education and Promote Lifelong Learning Opportunities for All'. **Goal no. 6** - 'Ensure availability and sustainable management of water and sanitation for all'. **Goal no. 8** - 'Promote Sustained, Inclusive and Sustainable Economic Growth, Full and Productive Employment and Decent Work for All'. **Goal no. 9** - 'Build resilient infrastructure,			यात्रा अनुदान दिया गया। आगामी वित्तीय वर्ष में गतिमान परियोजनाओं को पूर्ण कराये जाने का लक्ष्य हैं एवं राज्य हित में विभिन्न जनउपयोगी विषयों में शोध परियोजनाओं की स्वीकृति दी जानी प्रस्तावित है। साथ ही विभिन्न शोधार्थियों को वैज्ञानिक मंच दिये जाने के उद्देश्य से विज्ञान कांग्रेस का आयोजन तथा विज्ञान के क्षेत्र में नवीन शोध कार्यों का एक प्रभावी नेटवर्किंग मॉडल तैयार करने का लक्ष्य है।	
2	**<u>विज्ञान एवं लोकव्यापीकरण</u>** • युवा वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम • उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना तथा ग्रीष्मकालीन स्कूल • विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विकास अध्ययन • नये क्षेत्रों की पहचान • सेवानिवृत्त वैज्ञानिक कार्यक्रम	आम जनता, विशेष रूप से युवा वर्ग में विज्ञान लोकव्यापीकरण द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए परिषद द्वारा विज्ञान लोकव्यापीकरण कार्यक्रम संचालित कराये जाते हैं।	55	–		• युवा वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम – 02 • उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना तथा ग्रीष्मकालीन स्कूल – 00 • विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विकास अध्ययन • नये क्षेत्रों की पहचान • सेवानिवृत्त वैज्ञानिक कार्यक्रम – 00 • अनवेषी प्रवृत्ति को बढ़ावा देने का कार्यक्रम – 02		राज्य के आमजन हेतु विशेषकर युवा वर्ग में विज्ञान लोकव्यापीकरण द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों हेतु लगभग 355 कार्यक्रमों का आयोजन कराया जा चुका है जिससे लगभग 3.00 लाख लाभार्थी लाभान्वित हुये। आगामी वित्तीय वर्ष में राज्य में विज्ञान लोकव्यापीकरण की विभिन्न गतिविधियों के प्रचार–प्रसार हेतु लगभग 100 कार्यक्रमों का आयोजन विभिन्न विद्यालयों/विश्वविद्यालयों एवं	01 वर्ष

	• अनवेषी प्रवृत्ति को बढ़ावा देने का कार्यक्रम • विज्ञान धाम तथा तारामंडल की स्थापना • लोकप्रिय व्याख्याना श्रृंखला • पुस्तकालय–सह –प्रलेखन केन्द्र • प्रकाशन • जनसम्पर्क तथा सूचना • विज्ञान शिक्षा तथा प्रसार • कार्यक्रम केलेण्डर • विज्ञान लोकप्रियकरण कार्यक्रम • उत्तराखण्ड सांइस फोरम • राज्य स्तरीय पुरस्कार				promote inclusive and sustainable industrialization and foster innovation'. **Goal no. 10** - 'Reduce inequality within and among countries'. **Goal no. 13** - 'Take urgent action to combat climate change and its impacts'. **Goal no. 15** - 'Protect, restore and promote sustainable use of terrestrial ecosystems, sustainably manage forests, combat desertification, and halt and reverse land degradation and halt biodiversity loss'.	• विज्ञान धाम तथा तारामंडल की स्थापना • लोकप्रिय व्याख्याना श्रृंखला – 15 • पुस्तकालय–सह–प्रलेखन केन्द्र – 10 • प्रकाशन – 10 • जनसम्पर्क तथा सूचना • विज्ञान शिक्षा तथा प्रसार • कार्यक्रम केलेण्डर • विज्ञान लोकप्रियकरण कार्यक्रम – 20 • उत्तराखण्ड सांइस फोरम • राज्य स्तरीय पुरस्कार		अन्य संस्थानों के सहयोग से किया जाना प्रस्तावित है।	
3	**उद्यमिता विकास / अनुसूचित जाति / जनजाति, महिलाओं एवं अन्य कमजोर वर्ग के उत्थान हेतु कार्यक्रम** • उद्यमिता	राज्य की वैज्ञानिक आवश्यकताओं के अनुरूप नयी तकनीकों का उपयोग करते हुए आज जन में उद्यमिता भावना को बढ़ाने का प्रयास किया	20	–		उद्यमिता आधारित 05 कार्यक्रमों का आयोजन अनुसूचित जाति / जनजाति, महिलाओं एवं अन्य कमजोर वर्ग हेतु		उच्च तकनीक के प्रयोग के माध्यम से अन्वेषी प्रवृत्ति को विकासित करने, राज्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नयी तकनीकों का उपयोग सुनिश्चित करने हेतु राज्य के विभिन्न जिलों में चौक निर्माण, फिनाईल निर्माण एवं अन्य उपयोगी वस्तुओं के निर्माण सम्बंधी	01 वर्ष

	विकास कार्यक्रम • विज्ञान तथा समाज कार्यक्रम महिलाओं तथा कमजोर वर्ग के लिए	जाता है। समाज में महिलाओं, कमजोर वर्ग, एस0सी0, एस0टी0 एवं ग्रामीण वर्गों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ–साथ विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देना।				किया जायेगा।		प्रशिक्षण दिया गया है। आगामी वित्तीय वर्ष में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसूचित जाति/जनजाति, महिलाओं एवं अन्य कमजोर वर्ग के उत्थान हेतु उद्यमिता विकास से सम्बंधित गतिविधियों के अन्तर्गत प्रशिक्षण दिये जाने का लक्ष्य है।	
4	**<u>हिमालयन सिस्टम साइंस</u>** • प्राकृतिक संसाधन व्यवस्थापन • औषधीय एवं सुगंध वनस्पतियों का संरक्षण • प्रौद्योगिकी प्रबंधन	राज्य की स्थलाकृति में उच्च स्थलों की पारिस्थितिकी, हिमनद, चारागाह, जैव विविधता, ताल तथा कृषि व्यवस्था से संबंधित शोध कार्यो को सहायता प्रदान करना।	10	–		प्राकृतिक संसाधन, औषधीय एवं सुगंध वनस्पतियों के संरक्षण, प्रौद्योगिकी प्रबन्धन आदि विषयों पर 10 शोध एवं विकास परियोजानाएं एवं कार्यशालाएं प्रस्तावित है।		हिमालियन सिस्टम साइंस के अन्तर्गत राज्य की स्थलाकृति के अन्तर्गत उच्च स्थलों की पारिस्थितिकीय, तराई कृषि व्यवस्था, हिमनद, चारागाह, जैव विविधता, मौसम परिवर्तन तथा ताल इत्यादि के संरक्षण तथा विकास हेतु शोध कार्यों को बढ़ावा दिया गया है। इसी क्रम में अल्मोड़ा में जलवायु परिवर्तन केन्द्र एवं गणितीय उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना की गयी है। आगामी वित्तीय वर्ष में Soil testing lab की स्थापना, राज्य में रिवर बैंक फिल्ट्रेशन (आर0बी0एफ0) परियोजना के विस्तार का कार्य (प्रारम्भिक सर्वेक्षण), नहरों व गदेरों में Cross flow technology/टरबाईन के	01 वर्ष

								जरिये जल सम्प्रेषण/बिजली उत्पादन सम्बंधी परियोजनाओं का कार्य, स्कूलों में विज्ञान क्लब/विज्ञान पार्क की स्थापना, रानीखेत में टिश्यू कल्चर लैब की स्थापना का लक्ष्य है।	
5	**बौद्धिक सम्पदा अधिकार केन्द्र की स्थापना** • बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रबन्ध	राज्य में बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषय में जागरूकता विकसीत करने हेतु।	15	–		वित्तीय वर्ष 2018–19 में राज्य के शोधार्थियों, छात्र–छात्राओं एवं आम जनमानस में बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषय की जागरूकता हेतु 10 कार्यशालाएं/सेमिनार कराये जाने प्रस्तावित है।		बौद्धिक सम्पदा अधिकार के विषय में लोगों को जागरूक हेतु परिषद में पी0आई0सी0 की स्थापना की गयी है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य के समस्त जिलों में बौद्धिक सम्पदा अधिकार से सम्बंधित कार्यशाला का आयोजन कराये जाने का लक्ष्य है एवं विभिन्न विश्वविद्यालयों में बौद्धिक सम्पदा अधिकार केन्द्र की स्थापना की गयी है। कुछ अन्य विश्वविद्यालयों में बौद्धिक सम्पदा अधिकार की स्थापना की जानी प्रस्तावित है।	01 वर्ष
6	**तकनीकी संसाधन केन्द्र की स्थापना** • प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रम • प्रौद्योगिकी संसाधन केन्द्र तथा ग्रामीण तकनीक	स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के लिये प्रयुक्त की जा रही तकनीकों के विकास एवं उच्चीकरण के कार्य हेतु।	5	–		आगामी वित्तीय वर्ष 2018–19 में राज्य में 02 नये तकनीकी संसाधन केन्द्र की स्थापना की जानी प्रस्तावित है।		इस कार्यक्रम के अन्तर्गत परिषद द्वारा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के लिये प्रयुक्त की जा रही तकनीकों का प्रदर्शन एवं उच्चीकरण का कार्य किया जा रहा है। वर्तमान तक राज्य के विभिन्न जिलों में सात तकनीकी	01 वर्ष

	मिशन की स्थापना							संसाधन केन्द्रों की स्थापना की जा चुकी है जिससे आसपास के आमजन को लाभ पहुंचा है। आगामी वित्तीय वर्ष में राज्य के समस्त 13 जनपदों में तकनीकी संसाधन केन्द्रों की स्थापना करते हुये आम समस्या का प्रौद्योगिकी आधारित समाधान किये जाने का लक्ष्य है।	
7	**<u>तकनीकी का हस्तान्तरण</u>** • प्रौद्योगिकी हस्तांतरण • प्रौद्योगिकी का विपणन	लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये प्रौद्योगिकी के उच्चीकरण एवं हस्तांतरण हेतु राष्ट्रीय शोध संस्थानों से साथ समन्वय तथा सहयोग करने की नीति पर कार्य करना।	–	–		–		राज्य में लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये प्रौद्योगिकी के उच्चीकरण एवं हस्तान्तरण हेतु राष्ट्रीय शोध संस्थाओं के साथ समन्वय तथा सहयोग परिषद द्वारा किया जा रहा है। प्रौद्योगिकी के हस्तान्तरण से पहाड़ी क्षेत्रों के किसानों को विशेष लाभ प्राप्त हुआ है एवं आज वह वर्तमान में अधिक चलित प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपने जीविकापार्जन कर रहे हैं। आगामी वित्तीय वर्ष में प्रौद्योगिकी पर आधारित विभिन्न जनउपयोगी प्रौद्योगिकी का उच्चीकरण एवं हस्तान्तरण कर कामगार वर्ग को आत्मनिर्भर बनाने व पहाड़ी क्षेत्रों के किसानों को स्थानीय संसाधनों पर	–

								आधारित तकनीकों से लाभान्वित किये जाने का लक्ष्य है।	
8	<u>निदेशन एवं प्रशासन</u>	–	300	–		300		परिषद के कार्मिकों के वेतनादि एवं नैत्यिक/दैनिक कार्यकलापों यथा बिजली, पानी, पैट्रोल–डीजल, कार्यालय रखरखाव आदि हेतु जिससे परिषद के कार्यक्रमों को सुचारू रूप से चलाया जा सकें।	01 वर्ष
9	<u>परिषद रख–रखाव</u>	–	25	–		25		परिषद कार्यालय अन्तर्गत प्रशासनिक भवन, परिसर रख–रखाव, उपकरणों, आदि का रख–रखाव किया जा सके।	01 वर्ष
10	<u>उप–क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, अल्मोड़ा की स्थापना</u>	–	–	–		राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद द्वारा राज्य शासन से हुए अनुबंध के आधार पर रिटेनिंग वॉल हेतु ₹ 155 लाख की मांग की गयी है जिसकों परिषद के निर्वतन पर रखे ₹ 45 लाख को		शासन के विजन–2020 के अनुरूप राज्य के पहाड़ी क्षेत्र में उत्कृष्ट वैज्ञानिक मानव संसाधन विकसित करने के उद्देश्य से परिषद द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एन0सी0एस0एम0), कोलकाता के सहयोग से अल्मोड़ा में **उप–क्षेत्रिय विज्ञान केन्द्र**	01 वर्ष

						एन0सी0एस0एम0 को विमुक्त कर दिया गया है। शेष राशि ₹ 110 लाख एन0सी0एस0एम0 हेतु तथा ₹ 500 लाख की राशि ब्रिडकुल हेतु निर्माण कार्य के लिए अगले वित्तीय वर्ष में मांग की गयी है।		की स्थापना की जा रही है।	
11	राज्य आकस्मिकता निधि की प्रतिपूर्ति	—	—	—		राज्य सरकार द्वारा आकस्मिकता निधि से वित्तीय वर्ष 2014–15 में परिषद को विभिन्न कार्यो हेतु ₹ 600.00 लाख की धनराशि आवंटित की गयी थी जिसका समायोजन किया जाना है।		--	01 वर्ष
	कुल योग —		500	–					

आउटकम बजट प्रारूप 2018–19

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट		एस0डी0जी0 Goals/ Indicators	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2018–19	01.04.2017 की स्थिति (बेस लाइन)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम	समय सीमा
			राजस्व (धनराशि ₹ लाख में)	पूंजीगत					
1	विज्ञान धाम परियोजना – परिषद द्वारा विज्ञान धाम, झाझरा में आंचलिक विज्ञान केन्द्र को आमजन एवं छात्र–छात्राओं हेतु खोला गया। तत्पश्चात विभिन्न स्कूलों के **छात्र–छात्राओं एवं आमजन के साथ–साथ अति विशिष्ठ जनों द्वारा आंचलिक विज्ञान केन्द्र का भ्रमण** किया जा रहा है। केन्द्र के माध्यम से आगन्तुकों को विज्ञान के रोचक तथ्यों के साथ–साथ विज्ञान को समझने एवं विज्ञान के प्रति रूचि को बढ़ाये जाने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही यह राज्य में एक वैज्ञानिक पर्यटक स्थल के रूप में भी विकसित हो चुका है।	मानवशक्ति/ कार्मिक पर व्यय	60					शासन के विजन–2020 के अनुरूप राज्य में उत्कृष्ट वैज्ञानिक मानव संसाधन विकसित करने के उद्देश्य से परिषद द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एन0सी0एस0एम0), कोलकाता के सहयोग से देहरादून में **आंचलिक विज्ञान केन्द्र** की स्थापना की गयी जो सुचारू रूप से आमजन हेतु कार्य कर रहा है। स्कूली बच्चों हेतु प्रकृति में छिपे वैज्ञानिक प्रवृतियों के साथ–साथ वैज्ञानिक सिद्धान्तों से भी परिचित कराने के उद्देश्य से विज्ञान धाम परियोजना के अन्तर्गत तारामण्डल एवं प्रेक्षागृह का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। यह परियोजना राज्य में शिक्षा एवं पर्यटन हब के रूप में विकसित करने में सहायक सिद्ध हो रही है।	01 वर्ष
		विद्युतकर/ जलकर पर व्यय	20						
		उपकरण पर व्यय	15						
		पेट्रोल/डीजल/टी0ए0/डी0ए0 एवं अन्य व्यय	5						
		मरम्मत एवं रखरखाव पर व्यय	25						
		प्रकाशन/ प्रचार एवं प्रसार पर व्यय	10						
		इनोवेशन हब पर व्यय	10						
		सांइस सिटी की स्थापना	55						
	कुल योग –		**200**						